

शंकर भोलेनाथ देव बड़े ही न्यारे | By Sanjay Chauhan |

शंकर भोलेनाथ देव बड़े ही न्यारे ।
शंकर भोलेनाथ देव बड़े ही न्यारे ।
ये मन के भोले-भाले, सब भक्तों के प्यारे,
शंकर भोलेनाथ देव बड़े ही न्यारे ॥

कहलाने को तो ये जोगी कहावे,
चाहे तन पर धूनी खूब रमावे ।
परंतु भक्तों को ये कर देते वारे-न्यारे,
शंकर भोलेनाथ देव बड़े ही न्यारे ॥

छल से भस्मासुर ने वरदान माँगा,
शिव को ही भस्म करने पीछे-पीछे भागा ।
बीच में आकर नारद भस्मासुर को मारे,
शंकर भोलेनाथ देव बड़े ही न्यारे ॥

विष्णु ने मोहिनी का रूप बनाया,
मोहिनी रूप शिव को ही मन भाया ।
शिवजी को समझाने देवता आए सारे,
शंकर भोलेनाथ देव बड़े ही न्यारे ॥

भक्तजनों के सारे संकट मिटावे,
अमृत देकर विष को खुद पी जावे ।
सारे मिलकर बोलो शिवजी के जयकारे,
शंकर भोलेनाथ देव बड़े ही न्यारे ॥

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a4%82%e0%a4%95%e0%a4%b0-%e0%a4%ad%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%87%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%a5-%e0%a4%a6%e0%a5%87%e0%a4%b5-%e0%a4%ac%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a5%87-%e0%a4%b9%e0%a5%80-%e0%a4%a8/>